E-Content-

Date 19/04/2021

भावात्मक उद्देश्य का वर्गीकरण :- शेष भाग

④ संगठन :- (Organization) इसमें छात्रों को उन मूल्यों को एक क्रम में व्यवस्थित करना होता है। जिसे आत्मसात किया जा सके तथा मूल्यों से पारस्परिक सम्बन्ध स्थापित किया जाय इसे दो भागों में बाँटा जाता है—

① मूल्य आलीयकरण
② मूल्य प्रणाली का व्यवस्थापन

⑤ ~~स्वभाव~~ स्वभावीकरण (Characterization) - भावात्मक उद्देश्यों के वर्गीकरण के सर्वोच्च स्तर पर स्वभाव निर्मित होता है। इसमें व्यक्ति द्वारा स्वीकार किये गये मूल्यों के अनुरूप कार्य करता है इन मूल्यों को व्यक्ति के उस प्रभाव इतना स्पष्ट होता है कि व्यक्ति के स्वभाव को इन मूल्यों से जोड़ा जा सकता है अतः इस स्तर पर मूल्य के चरित्र के स्थायी अंग बन जाते हैं।

Scanned with CamScanner

मनोचालक क्षेत्र के उद्देश्यों का वर्गीकरण
(Taxonomy of Educational Objectives in Psycho-Motor Domain)

मनोचालक क्षेत्र का सम्बन्ध मांसपेशियों के विकास तथा प्रयोग एवं शारीरिक क्रियाओं के समन्वय की योग्यता से होता है।

मनोचालक क्षेत्र से सम्बन्धित शैक्षिक उद्देश्यों का वर्गीकरण सिम्पसन ने 1969 में किया था सिम्पसन ने अपनी पुस्तक The Classification of Educational Objectives Psycho-motor Domain में लिखा है कि मनोचालक क्षेत्र में उन उद्देश्यों को सम्मिलित किया जाता है जो शारीरिक तथा गामक कौशल से सम्बन्धित होते हैं। मनोचालक उद्देश्यों को पाँच भागों में बाँटा गया है —

① प्रत्यक्षीकरण (Perception)

② मनोस्थिति (Set)

③ निर्देशित प्रतिक्रिया (Guided Response)

④ कार्य कौशल (Mechanism)

⑤ जटिल वाह्य व्यवहार (Complex Overt Behaviour)

Scanned with CamScanner